


---

॥ pArvatIstotram ॥

——  
पार्वतीस्तोत्रम्

——  
Document Information



---

Text title : pArvatIstotram 1

File name : pArvatI.itx

Category : devii, pArvatI, stotra, devI, aShTaka

Location : doc\_devii

Transliterated by : Sridhar Seshagiri seshagir at engineering.sdsu.edu

Proofread by : Sridhar Seshagiri seshagir at engineering.sdsu.edu

Description-comments : Hymn to Parvati Devi

Latest update : October 14, 2001

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 22, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



---

॥ pArvatIstotram ॥

पार्वतीस्तोत्रम्



विबुधाधिपतेजिनीशकान्ते वदनाभाजितयामिनीशकान्ते ।  
नवकुन्दविराजमानदन्ते नलिनाभं प्रणामाम्यहं पदं ते ॥ १ ॥

विक्रयाम्बुरुडां विलासयोरैरतिशीतैः प्रवडद्व्याम्बुपूरैः ।  
शशिशेभरचित्तनृत्तरङ्गैस्तरसालोक्य देवि मामपाङ्गैः ॥ २ ॥

अवनीधरनायकस्य कन्ये कृपाणं मां परिपालयातिधन्ये ।  
विधिमाधववासवादिमान्ये द्रुतमुन्मूलितभक्तलोकदैन्ये ॥ ३ ॥

कुयनिन्दितशातकुम्भशैले मणिकाञ्चीवलयोत्सङ्कुले ।  
परिपालय मां भवानि भाले त्रिजगद्रक्षणजगुरुकलीले ॥ ४ ॥

स्वरुचा जिततमशातकुम्भे क्यशोभाजितकालमेघऽम्भे ।  
परिपालय मां त्रसन्निशुम्भे मकुटोत्लासिसुधामथूपऽम्भे ॥ ५ ॥

कुसुमायुधशुवनक्षिकोणे परितो मामव पद्मरागशोणे ।  
स्मरवैरिवशीकृतप्रवीणे यरणाञ्जनतसत्त्रियाधुरीणे ॥ ६ ॥

गिरिजे गगनोपभावलत्रे गिरितुङ्गस्तनगौरवेण भुत्रे ।  
वस मे हृदये तवाङ्गलत्रे तव संदर्शनमोदसिन्धुमत्रे ॥ ७ ॥

सकलोपनिषत्सरोजवाटीकलहंस्यास्तव मे कवित्वधाटी ।  
कृपयाविरभूदियं तु पेटी वडतु त्वद्गुणरम्यरत्नकोटीः ॥ ८ ॥

॥ इति श्रीपार्वतीस्तोत्रं संपूर्णम् ॥

The hymn pArvatIstotram is specifically a hymn in praise of the goddess sundarakuchAmbika at tejinivanam near Kumbakonam

Encoded and proofread by Sridhar Seshagiri seshagir at engineering.sdsu.edu



|| *pArvatIstotram* ||

pdf was typeset on December 22, 2023



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

